AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

दुर्ग नगर निगम के आय–व्यय का विश्लेषण (2001–2010)

ORIGINAL ARTICLE

Authors

कु. अभिलाषा रजक,
शोधार्थी, वाणिज्य विभाग

डॉ. डी. पी. जायसवाल,
शोध निर्देशक,
विभागाध्यक्ष (वाणिज्य संकाय),
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेक्टर –7,
भिलाई नगर, दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत

शोध सार

संघ एक प्रकार की सरकार है, जिसमें सर्वोत्तम सत्ता अथवा राजनैतिक शक्ति का वितरण केन्द्रीय और स्थानीय सरकारों में इस प्रकार होता है, जिसमें कि प्रत्येक राज्य अपने क्षेत्र में कार्य करने के लिए स्वतंत्र है।

मुख्य शब्द

संघ, राजनैतिक, शक्ति।

प्रस्तावना

भारतीय संविधान के अनुसार भारत एक संघ राज्य है। शासन व्यवस्था के द्वितीय स्वरुप अर्थात् संघात्मक शासन में किसी भी देश में दो या दो से अधिक सरकारे विद्यमान होती है– केन्द्रीय, प्रान्तीय, राज्यीय एवं स्थानीय। संघात्मक शासन में कुछ अपवादों को छोडकर सभी मामलों में इन सरकारों के कार्य व कार्यक्षेत्र परस्पर स्वतंत्र होते है।

संघीय शासन प्रणाली में केन्द्र तथा राज्य सरकारों के मध्य कार्यो का जो विभाजन होता है, वह विभिन्न देशो में भिन्न–भिन्न प्रकार का होता है। सामान्यतः जो कार्य संपूर्ण देश के लिए महत्वपूर्ण होती है, वह केन्द्र सरकार को, क्षेत्रीय कार्य राज्य सरकार को तथा स्थान विशेष के कार्य स्थानीय सत्ता "नगर– निगम" को सौंप दिये जाते है।

ऐसी शासन व्यवस्था जो स्थान विशेष में कार्यशील रहती है, उसे स्थानीय शासन कहते है। स्थानीय शासन व्यवस्था प्रजातंत्र का प्रमुख आधार हैं। यह शासन व्यवस्था राजनैतिक चेतना को जागृत करने तथा प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था को सुचारु रुप से चलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्थानीय संस्थाओं की व्यय का आकार व आय की तीव्रता भले ही कम हो किंतु उसके उत्तरदायित्व बहुत अधिक होते है। स्थानीय संस्थाओं का प्रमुख उद्देश्य अधिकतम सामाजिक लाभ प्राप्त करना होता है।

दुर्ग नगर निगम की संरचना निम्नानुसार हैः–

अध्ययन का उद्देश्य एवं प्रविधि

प्रस्तुत शोध पत्र के अध्ययन का उद्देश्य स्थिर एवं प्रचलित मूल्यों पर 2000–2001 से 2009–2010 तक दुर्ग नगर निगम के वित्तीय स्थिति का अध्ययन करना है।

आँकडों का संकलन

प्रस्तुत शोध पत्र द्वितीयक समंको पर आधारित कालश्रेणी समंको का संकलन मुख्य रुप से जिला सांख्यिकीय पुस्तिका तथा दुर्ग नगर निगम द्वारा प्रकाशित विभिन्न पुस्तिकाओं से लिया गया है।

आँकडों का विश्लेषण

दुर्ग नगर निगम के वित्तीय स्थिति का अध्ययन प्रचलित मूल्यों के साथ–साथ स्थिर मूल्यों पर किया गया है।

Table 1: Financial condition of Durg District

S.No.	Year	Income	Expenditure
01.	2000–2001	6240881	5583667
02.	2001–2002	6860985	659682
03.	2002–2003	7456890	728895
04.	2003–2004	804992	789682
05.	2004–2005	876289	849294
06.	2005–2006	922658	904568
07.	2006–2007	3005284	3504892
08.	2007–2008	3500246	3001256
09.	2008–2009	4011824	4010562
10.	2009–2010	5018963	501960

(Source : www.cg.gov.in)

उक्त तालिका हमें दुर्ग नगर निगम की वित्तीय स्थिति घाटे की स्थाति कों प्रदर्शित करता है। तालिका के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2000–2001 में कुल आय 62,40,881 रु. तथा कुल व्यय 55,83,667 रु. रहा, जिससे इस वर्ष नगर निगम को लगभग 6,57,214 रु. के अरिरेक की प्राप्ति हुई। कुल आय व कुंल व्यय वर्ष 2009–10 में

बढ़कर 1018963 रु. हो गई। इस प्रकार कुल व्यय भी बढकर 1014995 रु. बढ गया जो कि आय कि तुलना में अधिक था।

आरेख 1: दुर्ग नगर निगम की वित्तीय स्थिति के प्रचलित मूल्य पर प्रस्तुत वित्तीय स्थिति के स्थिती प्रदर्शित करता ग्राफ।

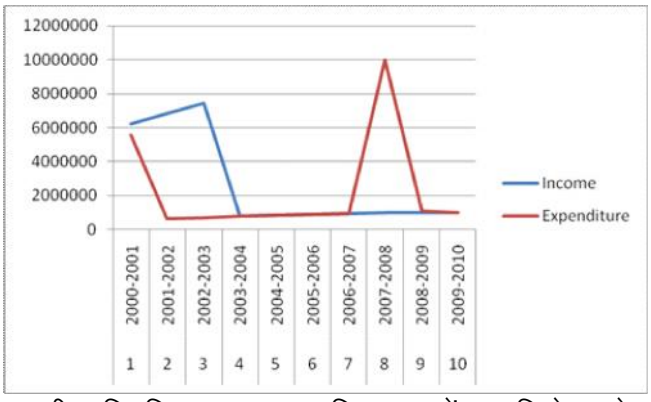

दुर्ग नगर निगम की बजटीय स्थिति का अध्ययन स्थिर मूल्यों पर किये जाने को हम सरल रुप में ग्राफ में प्रस्तुत कर सकते हैः–

आरेख 2: दुर्ग नगर निगम के बजटीय स्थिति स्थिर मूल्यों पर, मूल्यों के अध्ययन से स्पष्ट किया जा सकता है।

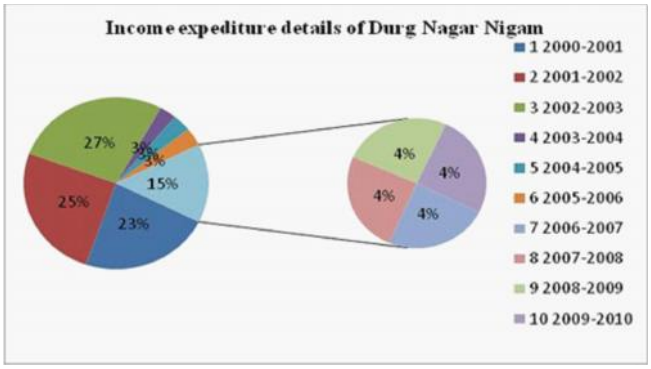

नगर निगम को स्थिर मूल्य पर कुल आय वर्ष 2000–2001 में 62,40,881 रु. प्राप्त हुए तथा कुल व्यय 55,83,667 रु. थें, इस प्रकार इस वर्ष अतिरेक के रुप में 6,57,214 प्राप्त हूए। वर्ष 2009–10 में केवल आय 4,56,46,502 रु. तथा कुल व्यय 6,73,59,589 रु. हुए, जिसके परिणामस्वरुप इस वर्ष भी नगर निगम कों घाटा हुआ था।

संदर्भ सूची

1. डक मारिस, *"पब्लिक एक्पेंडिचर रिलेटिव फाइनेंस एण्ड रिसोर्सेस अलेक्शन"* (पब्लिक फाइनेंस, पी0एच0 4532 पेज नं0–1, 1985)
2. पुरोहित एम.सी., *"ग्रोथ एण्ड कंपोजीशन आफ स्टेट्स टैक्स एर्नस नीडेड"* (बिजनेस क्वाडेड,10 अक्टुबर 1980)
3. धोष विश्वनाथ, *"म्यूनिसपल बॉडीज मोर टैक्स एर्नस नीडेड"* (अर्थ विजन,वालयूम 18 2जून 1980)
4. दत्ता शिवानी, *"पब्लिक एक्सपेंडिचर इन वेस्ट बंगाल"* (इकॉनामिक अफेयर्स, अगस्त सितम्बर 1979).
5. कौशिक रामशरण, *राजस्व,* मिनाक्षी प्रकाशन मेरठ, नई दिल्ली।
6. दैनिक भास्कर।
7. हरिभूमि।

––==00==––